

॥ श्री ॥
लावणी संग्रह.
लाग पहेलो.

आवडु श्री निनदासाहि विरचित.

भनोरंलड तथा वैराज्योत्साहड घन

तथा लावणी योनो संग्रह डरी,

शा. आनंदल भेतरी ये

मुंजर्ध मध्ये

लगदीश्वर छापेजानामां छपावी

भगत डर्यो छे.

संचत् गजउट ना वैशाख शुद्ध १ लौ भवार.

आ पुस्तकनो हळु सन १८८७ जना २५ भा आळ

प्रमाणें मालेडें पोताने स्वाधीन

राज्यो छे.

अथ

श्री लावणी संग्रह

प्रारंभः

॥ अथ श्री निनदासल्ल हृत
घन ॥

गरे तुम लपो भंत्रनवकार, जिनसें जि
गार ॥ होखे तेरी कायाको आ-
ल कर ले अपनो अवतार ॥ ध्या
मनमें धरो नरनार, जाए दुजडी
संसार ॥ करो प्रलु न्याल अज निन
रनो प्रलु भुञ्ज धरणोंके पास ॥ १ ॥

॥ सरडन्न कुमति नार काखी, तेरी संग
गं गंठ लाखी ॥ सोजत समताडीमें रा
आतमा तपमें नहीं धाखी ॥ अनंत
व वीत गया जाखी, वेदना निगोहडी

नखी आश्रमरूपे निनदास भागे, सदा पद
प्रबुद्ध कुं वागे आशा

आशीश नित नभुं नालिनंदन, यरणा प
रचिडे केसर चंदन ॥ करत सज छिटादिड-
जंदन, उदत हे करमोंडा इंदन ॥ साध्यो ते
शिवपुरको साधन, सर्व लवनकुं सुज उंद
न ॥ निनंदगुण निनदास गावे, यरणा य
रणोंसें नभावे ॥ उता

आजोखत हैया मेरा हसकर, ये
दन यूँ घसकर ॥ पेठा में धर्मो में
र, पाप दल दूर गया जसकर ॥ ये
वा जडा उभर उसकर, हठाया उभो
सकर ॥ श्रीनिराल जिहाज जासा,
ए निनदास लीया जासा ॥ च्छा

आसमन मन मेरा मतवाला, तुज

ग अनुक्रमणिका

अंङ

विषय.

१५०४

पृष्ठ.

| | | |
|----|-------------------------------------|----|
| १ | अरे तुम लपो मंत्र नवडार गाघन | १ |
| २ | सरडन्न कुमति नार डाली तेरी गाघन | १ |
| ३ | शीश नित नभुं नाबिनंदन यरणगा | २ |
| ४ | जो जत हैया मेरा हसकर यढाबुंगा | २ |
| ५ | समल मन मेरा भतवाला तुने नहींंगा | २ |
| ६ | डीया में गाधर प्रेम पति भुने वरदागा | ३ |
| ७ | जीहट घट पुरगतडा लारी नीरन्यांगा | ३ |
| ८ | धेत नर निगोहडा आसी डराछि नगमेंगा | ४ |
| ९ | अइल नर तेरी लुंछगानी शीज सूत्रोंडी | ४ |
| १० | सइल नर तेरी लुंछगानी शीज सूत्रोंडी | ४ |
| ११ | धेत धेतन अज जीहडर अपने निन भं | ५ |
| १२ | तुम लने निनेसर देव भुगति पद पाछि | ६ |
| १३ | इज देजुं निनवर देव नगत गुरग्यानी | ६ |
| १४ | ओड निनवरडा निन नाम हैया में लेना | १० |
| १५ | जजर नहीं आ नुगमें पलडी रे | १२ |

- १६ हारे तुं कुमति डलेसए नारलणी कुं डेडे १४
- १७ तुम तन्ने लगतडा ज्याल ठेसकुडा गाना १५
- १८ सुगुडी शीज हैये घरनां रे सुगा . . १८
- १९ तुं छिलव्यो हे संसार लगतभें विडल . . २०
- २० सुकृतडी जात तेरे हाथ रति नारहीरे . . २२
- २१ अनेहारे लाल नहीं सीथो निनंद लल २४
- २२ तन्ने डाम भद भान जाल निनघर गुण २५
- २३ अणम पंथ नननां हे लार्थरे अणम २७
- २४ सुरग आस मत डरे डलेसी कुमति सं २८
- २५ सल्लन सभल्लवो अपने मनकुं रे ३२
- २६ मत लवो गिरनार नेम डिर कुं डरनां ३४
- २७ में अजला हुं अल्लए डिसीसें थितसें ३५
- २८ अनेहारे पिया जिन नूर नूर दुर्धुनी ३
- २९ सल्लन जिन गुना तल्ल हंमकुं सती रानु ४
- ३० तुम तल्लर रानुल नार, तन्या सज ४
- ३१ दे गया दगा दिलदार सुनो मेरी माई ४
- ३२ श्री आदिनाथ निरबाणी नमुं असे . . ४
- ३३ अज सदा नमुं सरसती तेरी डीरतकुं . . ४

- ૪ શ્રી સંજેશ્વર પાસ નિનેસર ચરન .. ૫૧
- ૫ મૂલક પ્રિય મગસી પારસકાજાન .. ૫૩
- મન સુણારે તેરી સફલ ઘડી શ્વાચકડી ૫૪
- ૬ સિંધે સફૂપી સદા પદ તેરો તૂં મૂરજ. ૫૬
- આપ સમનકા ઘર નહિં પાયા પૂનકું. ૫૬
- જીત ગયો નરત્નવડો અવસર નહિં ૫૮
- ઓગુણ કજ લગ કહું દિલ તેરા. . . ૬૧
- ગઈ સજ તેરી શીલ સમતા લપટ રહી ૬૨
- ૭ સદા નમું નિનરાન ચરનકું કીઓ . . . ૬૪
- હપા કરો સંજેસર સાહેબ ગુણધામી ૬૬
- ખંદત હે કોઈ સમેત શિજરકું દુરગતિડી ૬૭
- સુણને જાતાં રાચ સદાશિવ મત ચડ ૬૮
- લગત ત્વચિક કલ મહેર અનંત ગુન ૬૯
- તુમ સમુદ્ધ વિન્યકા તન્ન ચરન સુન ૭૪
- આનંદ વરતે મંગલ પ્રભુ નામ લીલા ૭૬
- દુઃખ દુષ્ટા નુગતા હુઓ નરકાવાસી ૭૭
- ખલ્મ પદવી ભૂત હુવા ભેજધારી . ૭૮
- કુન્નપ ભપતાં ચણો કાલ ખોયો . . ૮૦

- ५२ नेमनाथ निनवरको जघनमुज निरजुं ८
 ५३ सुएगो सोजीरी रंगमहेलमें में शिरती - ८
 ५४ मेरे दिलके महेरम तुंही श्रीनालिनंदन ८
 ५५ रिषल देव तुं जडा देव हे देजनेडी गत ८
 ५६ जडा जडा मेलु अरन करता सभरए ८
 ५७ अरिहंतलुके समवसरएमें योशहछे ८
 ५८ गिरिवरकुं गये गुइग्यानी, रानुलभन ८
 ५९ पारस पूनन नेग लगतमें भगसीडे ८
 ६० दगा दे गया पति गिरनारी कहीरे माछ ८
 ६१ में नित्य नभावुं शिरा साध संतनकुं ८
 ६२ अनंतजली निगरान लगतपति धरन ९
 ६३ मरएामथ रूप डोन नने दिरे तन भूल ९
 ६४ जल नवीरे मुसाइर यार प्रीत सज ९
 ६५ जायो अज सभडितके घरमें, पडेनहीं ९
 ६६ नभुं नभुं में गुइ निग्रंधकुं वे निनमुसा ९
 ६७ तनुं तनुं में जीन हुगुइकुं उनक डा ९
 ६८ चतुरपरनारी मत निरजो आवए ९
 ६९ डोन लगतमें तारा चेतना डोन ९

- नगतमें नचपद नयडारी पूजतां रोगखे १११
 शङ्कर नुनेमें शांति जिराने अंगलर ११३
 घर सुभतिसें ध्यान चेतन संवरमें ११६
 विषल देव महाराज डेसरी आ जेहा १२१
 हागुला महीना हागमें होरी जेलनां १२२
 दुमतिडी संगत नहिं करिये रे १२४
 शांतिनाथ महाराज जिराने भांडवगठ १२६
 तेरी सुरत सोहेणी देख, मेरा मन हरजे १२७
 सिध्द नमो अरिहंत नमो बली आचर १२८
 माता विशाला नूखावे नंदनकुं रे १२८
 तम लव लह जीहर आये १३२
 माई डलडी जेजर नहिं डीसी घडीमें १३६
 सिद्धगिरि रे सिद्धगिरि १४०
 लव देव दहन नीवारया १४४
 अग्नि तिन जीपमा लारी पावन १४४
 ५ चेत चतुर नर उहेत सहगुर १४५
 ६ तुमें निरंजन नाथ हमारा १४८
 ७ श्रीकुंभुनाथ करम डाट मुक्ति मोनपा १४८

८८ श्रीनेमि निरंजन जातपट्टे ज्ञहयाः

८९ गुणवंता श्री विनराय सत्ताये आवे.



